Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding problems faced by farmers of Maharashtra in getting loan from Banks.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : महोदय, मैं महाराष्ट्र में किसानों को बैंकों के द्वारा दिये जाने वाले ऋण के बारे में हो रही समस्या की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ।...(व्यवधान) महाराष्ट्र में वित्तीय संस्थाओं की विफलता के कारण किसानों को नई फसल बोने के लिए ऋण नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान) पिछले साल महाराष्ट्र की राज्य सरकार ने कर्ज माफी की घोषणा की थी। एक साल बीत गया है, लेकिन दो प्रतिशत लोगों को भी इस कर्ज माफी का कोई लाभ नहीं मिला है। कर्ज माफी तो मिली नहीं, लेकिन अब जब किसान बैंक में लोन लेने के लिए जा रहे हैं तो नया लोन भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है। इस साल अभी तक महाराष्ट्र में सिर्फ आठ या नौ प्रतिशत किसानों को ही कर्ज मिला है। जिस प्रकार से बैंक के अधिकारियों की एप्रोच है, वे एडॉप्टेड विलेज का कारण बता रहे हैं और इसी कारण से किसानों को लोन नहीं मिल रहा है। वे स्टाफ की कमी की बात भी कर रहे हैं। हमने अभी तक 11 आन्दोलन अपने संसदीय क्षेत्र में इस विषय पर किए हैं। यह मिडलमैन की दिक्कत है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहूँगा कि बैंक अधिकारियों पर कार्रवाई हो और ज्यादा से ज्यादा कर्ज किसानों को मिले। बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shrimati Supriya Sule, Shri Rabindra Kumar Jena, Shri Bhairon Prasad Mishra are allowed to associate with the issue raised by Shri Rajeev Satav.